18. १००८ श्री अरहनाथ जी

यक्ष
कुबेर

चिन्ह
मछली

वर्ण
पीतवर्ण

यक्षिणी
जया

अर्घ

शुचि स्वच्छ पटीरं, गन्ध गहीरं तन्दुल शीरं पुष्प चरुं।
वर दीपं धूपं, आनन्द रूपं, ले फल भूपं अर्घ करूं।।
प्रभु दीनदयालं अरिकुलकालं विरदविशालं सुकुमालं।
हनि मम जंजालं हे जगपालं, अरगुनमालं वर भालं।।

ॐ ह्रीं श्री अरहनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

फाल्गुन शुक्ला-३

गर्भकल्याणक

मार्गशीर्ष शुक्ला-१४

जन्मकल्याणक

मार्गशीर्ष शुक्ला-१०

तपकल्याणक

कार्तिक शुक्ला-१२

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: सुदर्शन राजा
माता: सुमित्रा देवी

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

चैत्र कृष्णा-३०

मोक्षकल्याणक